हत्या कर रही है और जो हमारे मूल अधिकार हैं उनका हनन करने पर तुली हुई है। इसलिये मैं आपके द्वारा बहुत ही मजबूती के साथ इस विधेयक का विरोध करता हूं और चाहता हूं यह सरकार इस को वापस लेने की कृपा करेगी। इसको वापस लेने से सरकार की प्रतिष्ठा नही गिरेगी, बल्कि सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और जब सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो सरकार की रक्षा भी होगी वरना अगर यह सरकार चाहे कि सारी ताकत अपने हाथ में लेकर पलटन और पुलिस की बदौलत इस देश की जनता पर शासन करे तो यह संभव नही है; क्योंकि यह राम का राष्ट्र है, यह कृष्ण का राष्ट्र है, यह महात्मा गांधी का राष्ट्र है, यह बुद्ध का राष्ट्र है। यहा बड़े बड़े आततायी राजाओं का विरोध हुआ है, बड़े-बड़े आततायी राजाओं का नाश हुआ है। इसलिये जो मौजूदा इन्दिरा सरकार है इसकी कोई ताकत नहीं है। यह सरकार कितने दिनों तक रह पायेगी। हम यह ओम् मेहता से भी कहना चाहते है और माननीय मंत्री जी जो इस विधेयक को इस समय चला रहे है उनसे भी कहना चाहता हूं, कांग्रेस पार्टी में अब उनके लिये कोई सुरक्षा नही है, कांग्रेस पार्टी में रहने के बाद भी उनकी कोई श्योरिटी नही है। इसलिये वह समझदारी की बात करें, जनतन्त्र की अवहेलना न करें और ऐसे बेहूदा विधेयकों को इस सदन में प्रस्तुत करने की कुचेष्टा न करें। यह काला विधेयक है, इस काले विधेयक में सारी ताकत सरकार के हाथ में सौंप रहे हो। यह तानाशाही व्यवस्था का नाम होगा, इसको जनतन्त्र नहीं कहा जा सकता। चूंकि यह विधेयक जनतन्त्र का हनन कर रहा है, इसलिये मैं इस विधेयक का घोर विरोधी हूं। फिर भी सरकार से कहना चाहता हूं, सरकार जनतन्त्रीय पद्धति और प्रणाली में आस्था प्रगट करती है तो इस विधेयक को वापस ले ले।

RE SITTING OF THE HOUSE ON 14TH NOVEMBER, 1974

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (उत्तर प्रदेश) आपके द्वारा मैं एक बात संसदीय कार्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं। आज समाचारपत्रों में आया है कि लोक सभा का अधिवेशन 13 और 14 नवम्बर, दोनों दिन नही होगा। तो यहां की क्या स्थिति है?

श्री ओम् मेहता : (जम्मू और काश्मीर) आप उस समय नही थे। लन्च से पहले हाउस एडजार्न होने के समय मैंने बताया था कि आज चेयरमैन साहब ने इस बात की अनुमति दे दी है कि 14 तारीख को राज्य सभा में छुट्टी रहेगी।

श्री राजनारायण : (उत्तर प्रदेश) 13 और 14 है तो 15 तारीख को भी एक दिन के लिये बढ़ जाये। 15 को फ्राइडे है। जब हम 13 और 14 को नहीं बैठ रहे तो खाली गैर-सरकारी दिन के लिये क्यों बैठें?

श्री ओम् मेहता : आडवाणी जी आपके पास बैठे हैं, उनसे पूछ लीजिये।

श्री लाल आडवाणी : (दिल्ली) छुट्टी करो। मुझे कोई आपत्ति नही है।

श्री राजनारायण : अब अपनी तरफ से ओम् मेहता हिम्मत के साथ कह दें। अपनी बात का अनादर मत कीजिये।

श्री ओम् मेहता : वह गैर-सरकारी दिन है। चलने दीजिये।

श्री राजनारायण : वह दूसरे सप्ताह में आ जायेगा।

श्री ओम् मेहता : वह अगले सप्ताह में दुबारा कैसे आ जायेगा?

श्री राजनारायण : न आये। छोड़िये इसको

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. B. RAJU) : Let us close this subject now.

THE DELHI MUNICIPAL CORPORATION (AMDT.) BILL, 1974—*Contd.*

श्री नत्थी सिंह (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी जो विधेयक सदन के सामने हैं, उसका समर्थन करने के लिये मैं खड़ा हुआ हूं। अभी मैंने विरोधी पक्ष के दोनों नेताओं के भाषण